*263.[The questioner Shri .Y.P. Trivedi was absent. For answer *vide* page 22 *infra*.]

Feasibility report on Gandhidham-Mundra section of NH-8A

*264.SHRI KANJIBHAI PATEL:††
SHRI NATUJI HALAJI THAKOR:
Will the Minister of ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS be pleased to state:

(a) whether feasibility-cum-preliminary design report for four laning of Gandhidham-Mundra Section and NH-8A (Extn.) has been completed;

(b) if so, by when the four laning work would be started; and

(c) the present status of the above work?

THE MINISTER OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS (SHRI KAMAL NATH): (a) Yes Sir.

(b) and (c) The project has been identified for four laning under National Highways Development Project (NHDP) - Phase III, on Built, Operate and Transfer (BOT) Toll basis and targeted for award during the year 2009-2010. Prequalification of bidders has been completed. Financial bids shall be invited after receipt of approval of the Public Private Partnership Appraisal Committee (PPPAC). It is too early to indicate the date of start of the work.

श्री कांजीभाई पटेल : सभापति जी, केंद्र द्वारा गुजरात पर बार-बार अन्याय होता रहा है। अगर इस कार्य में विलंब हुआ तो सिर्फ गुजरात का नही, पूरे देश का नुकसान होने वाला है। मेरा यह नम्र निवेदन है कि राष्ट्रीय राजमार्ग नं. 8 "ए" का यह सेक्शन नेशनल इम्पोर्टेन्स रखता है, क्योंकि इसके पूर्व में मेजर पोर्ट कांडला है, पश्चिम में मुंद्रा पोर्ट है और केन्द्र ने मुंद्रा में एस.ई.जेड. लगाने के लिए मंजुरी दी है। एन.टी.पी.सी. और अदानी ग्रुप वहां पर 6,000 मेगावाट का बड़ा मेगा पावर प्लांट लगाने जा रहे हैं। मुंद्रा पोर्ट ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : सवाल पूछ लीजिए।

श्री कांजीभाई पटेल : देश के उत्तरी भागों में बड़ी मात्रा में कार्गो हैंडलिग करता है। देश के इस किनारे पर बड़ी संख्या में उद्योग लगे हैं। This section is having very high densitiy of traffic which is going to increase in the near future. इस कार्य को अग्रिमता प्रदान की जानी चाहिए। मुझे खुशी है कि माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में कहा है कि प्रि बिड हुआ है। इस कार्य की फाइनेंशियल बिड कब तक होने की संभावना है और यह कार्य कब तक आरंभ होगा?

श्री कमल नाथ : सर, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि port connectivity इस मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है। पोर्ट का तभी मायने बनता है, जब इसकी road connectivity भी हो। Road connectivity के लिए इसको प्राथमिकता दी जा रही है। जैसा मैंने माननीय सदस्य को सूचित किया है कि इसका prequalification complete हो गया है। यह Public Private Partnership Approval Committee की मीटिग में 9 जुलाई को गया था। इसका फैसला हमारे पास आना है। मैं माननीय सदस्य से सहमत हूं कि यहां ट्रैफिक है और यह रोड़ viable है। हम गुजरात सरकार से भी निवेदन करेंगे कि इसे सही समय पर complete करने के लिए NHAI की land

†† The question was actually asked on the floor of the House by Shri Kanjhibhai Patel.

acquisition में पटट करें। इसका land acquisition 74 हेक्टेयर available है, पर लगभग 360 हेक्टेयर और land acquisition की आवश्यकता है। मैं माननीय सदस्य से भी निवेदन करूंगा कि वे गुजरात सरकार से इस कार्य में पटट करने के लिए निवेदन करें।

श्री कांजीभाई पटेल : सर, गुजरात सरकार द्वारा land acquisition की कार्रवाई बहुत तेजी से चल रही है और वह बहुत जल्द पूरी होगी। इसलिए PPPAC की मीटिंग का निर्णय जल्द हो जाए और इस पर जल्द कार्य शुरू हो जाए, ऐसा मेरा मन्तव्य है।

श्री कमल नाथ : सर, इसका पूरा प्रयास किया जाएगा।

श्री नतुजी हालाजी ठाकोर : सर, माननीय मंत्री जी ने यह कबूल किया है कि वहां ट्रैफिक ज्यादा है। गांधीधाम-पुंदरा नेशनल हाईवे-8 पर अंजार शहर आया हुआ है और अंजार शहर के बीच से ही यह रास्ता निकल रहा है। बार-बार वहां अकस्मात होना रहता है। उस अकस्मात के निवारण के लिए इस प्रोजेक्ट में बाईपास का भी आयोजन किया गया है। इसकी क्या स्थिति है और यह बाईपास कब तक बनेगा?

श्री कमल नाथ : सर, जब सड़क का काम शुरू होगा, तो साथ-साथ ये सब कार्य इसमें लिए जाएंगे। यह जो सड़क है, वह गांधीधाम-अंजार-गुंडाला-मोजपुर से होती हुई जाती है। जब इस पर सड़क का काम शुरू होगा, जहां तक बाईपास का प्रश्न है, उस समय इसको take-up किया जाएगा।

श्री ईश्वर सिंह : चेयरमैन सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि यह राष्ट्रीय राजमार्ग और 4-लेन का प्रश्न है। जीटी रोड 15 साल पहले दिल्ली से अमृतसर तक बनी। उसके अन्तर्गत हर स्टेशन पर रोड cross करने के लिए भूमिगत रास्ते बनाए गए हैं। जब से जीटी रोड बनी है, वे भी भूमिगत रास्ते, जिन पर करोड़ों रुपए लगे हैं। बन्द पड़े हैं। क्या सरकार के विचाराधीन यह है कि वे क्यों बंद हैं और वे कब खोले जाएंगे? इस पर जो बजट लगना था, वह तो लग गया, लेकिन वे मुझे बताने का कष्ट करें कि वे क्यों बन्द हैं और वे कब खोले जाएंगे?

SHRI KAMAL NATH : Sir, this is, basically, a general question. Now, as far as underpasses, over bridges and service lanes are concerned, there is a basis for these; that is, based on traffic and based on urban population, these are constructed. As regards specific supplementary, which the hon. Member has put, – he is talking about a specific bypass – I need a separate notice for that.

श्री मोहम्मद अमीन : सर, रोड ट्रांसपोर्ट की अहमियत किसी तरह से रेल ट्रांसपोर्ट से कम नहीं है। बहुत बड़ी तादाद में मजदूर इसमें काम करते हैं। लेकिन उनका न तो कोई minimum wage है, न कोई fixed working hour है और न कोई social security है। सरकार ने इस सिलसिले में क्या कदम उठाए हैं?

جناب محمد امین صاحب : سر، ٹرانسپورٹ کی اہمیت کسی بھی طرح سے ریل ٹرانسپورٹ سے کم نہیں ہے۔ بہت بڑی تعداد میں مزدور اس میں کام کرتے ہیں۔ لیکن ان کا نہ تو کوئی minimum wage ہے، نہ کوئی fixed working hour ہے اور نہ کوئی social security ہے۔ سرکار نے اس سلسلے میں کیا قدم اٹھائے ہیں؟

† Transliteration in Urdu Script.

श्री कमल नाथ : सर, NHAI इसे contract पर देते हैं और जिसको contract मिलता है, उसको इसकी पूर्ति करनी पड़ती है। अगर कोई ऐसी विशेष बात है, जिस पर माननीय सदस्य मेरा ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं, तो वे मुझे सूचित करें, मैं इसको check करूंगा, पर जो राज्य के श्रम विभाग हैं, वे इस पर आवश्यक checking करते रहते हैं।

श्री मोहम्मद अमीन : आप राज्य सरकारों की मीटिंग बुलाइए और इन बातों के ऊपर फैसला कीजिए, नहीं तो यह कभी हो नहीं पाएगा।

جناب محمد امین صاحب : آپ راجئے سرکاروں کی میٹنگ بلائیے اور ان باتوں کے اوپر فیصلہ کیجئے، نہیں تو یہ کبھی ہو نہیں پائے گا۔

श्री शिवानन्द तिवारी : सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि बिहार में नैशनल हाइवे की कितनी किलोमीटर सड़के हैं और 2004 से अब तक इन सड़कों की मरम्मत के लिए और इनको मजबूत बनाने के लिए, इनके सुदृढ़ीकरण के लिए अब तक कितनी धनराशि का आबंटन किया गया है?

SHRI KAMAL NATH: Sir, this is regarding Bihar. I will be happy to send this information to the hon. Member.

देश में अवैध हथियारों का धड़ल्ले से निर्माण किया जाना

*265. श्री भगत सिंह कोश्यारी :††

श्री प्रभात झा :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की सूचना मिली है कि देश के कई भागों में अवैध हथियार बनाने के कारखाने खुलेआम चल रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार के पास यह सूचना है कि ये कारखाने पुलिस की मिलीभगत से चल रहे हैं;

(घ) यदि हां, तो अभी तक कोई गंभीर कदम न उठाए जाने के क्या कारण हैं; और

(ङ) सरकार इन कारखानों एवं सम्बद्ध पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल क्या कदम उठाने का विचार रखती है?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन): (क) से (ङ) एक विवरण सदन के पटल पर रखा जा रहा है।

विवरण

(क) से (ङ) कुछ उपलब्ध सूचना से यह पता चलता है कि कुछ राज्यों में अवैध हथियारों और गोलाबारूद विनिर्माण की ऐसी यूनिटें मौजूद हैं जहां गुप्त रूप से कुटीर स्तर पर घरेलू यूनिटों के माध्यम से इनका विनिर्माण किया जाता है।

इस संबंध में और ब्यौरा तत्काल उपलब्ध नहीं है और इसे सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से एकत्र किया जाना है। अपेक्षित सूचना एकत्र करने के लिए कार्रवाई चल रही है और इसे उचित समय पर सभा पटल पर रख दिया जाएगा।

---

† Transliteration in Urdu Script.

††सभा में यह प्रश्न श्री भगत सिंह कोश्यारी द्वारा पूछा गया।